संस्कृत - प्रतिभा

भाग - Part - I

पत्र सं० - (Paper) II

प्रश्न - रामायण और महाभारत की तुलना कीजिए।

उत्तर - रामायण और महाभारत की कथावस्तु पर दृष्टि डालने से पता चलता है कि रामायण महाकाव्य है जबकि महाभारत इतिहास। रामायण में कथावस्तु की अपेक्षा काव्य चमत्कार अधिक है इसमें एक ही राम का चरित्र तथा राम-रावण के युद्ध की घटना ही सर्वोपरि है। महाभारत में कुछ अंशों को छोड़कर काव्यत्व नहीं के बराबर है। इसकी प्रधान कथा में युद्धों के वर्णन के साथ-साथ तत्कालीन राजाओं के इतिवृत्तों की प्रधानता है।

इन दोनों काव्यों का भौगोलिक विस्तार भी अलग है। रामायण में भारत की भौगोलिक सीमा विन्ध्य और दक्षिण वन तक थी। इसकी सीमा विदेह राज्य तक तथा पश्चिमी सीमा सौराष्ट्र तक थी। महाभारत के समय में इसका विस्तार हो चुका था। इसकी पूर्वी सीमा गंगासागर संगम तक, दक्षिण में चोल, मालवार प्रान्त तक थी। इतना ही नहीं लंका के राजा भी युधिष्ठिर के राजसूय यज्ञ में उपहार लेकर आए थे। अतः लंका तक भारत का विस्तार हो चुका था।

इन दोनों महाकाव्यों में रामायण एक कवि की कोमल एवं भावपूर्ण लेखनी का चमत्कार है, जबकि महाभारत में जय से -

Teacher's Signature

महाभारत तक कितने ही कवियों का योगदान रहा है। रामायण के लिखने की चर्चा कहीं नहीं हुई है सिर्फ लव-कुश द्वारा गाए जाने का ही उल्लेख है लेकिन महाभारत के लिपिबद्ध होने की कथा प्रसिद्ध है। इसे गणेशजी ने लिपिबद्ध किया था। इसमें काव्य सौन्दर्य की अपेक्षा इतिवृत्तात्मकता का ही प्राधान्य है और वर्णात्मक शैली अधिक है।

रचना काल की दृष्टि से कौन महाकाव्य प्राचीन है इस पर मतभेद बना हुआ है। वेबर का कथन है कि रामायण में सुन्दर पद-विन्यास तथा सुबोध रचना मिलती है जो महाभारत की अपेक्षा उसे अर्वाचीन सिद्ध करती है। इनकी दृष्टि में रामायण से महाभारत प्राचीन है। भारतीय विचारधारा इसके विपरीत है क्योंकि वाल्मीकि मुनि आदिकवि माने जाते हैं और व्यास उनके पश्चात्।

विण्टरनिट्ज का कथन है कि रामायण में राम को विष्णु का अवतार माना गया है अपितु वे एक श्रेष्ठ मानव हैं। साथ ही अवतारवाद का सिद्धांत कृष्ण के युग में ही चला है अतः राम यदि विष्णु के अवतार हैं तो वे कृष्ण के बाद ही हुए होंगे। पाणिनि तथा पाणिनि तथा पतञ्जलि ने भी अर्जुन, युधिष्ठिर तथा महाभारत का उल्लेख किया है किन्तु राम का नहीं। अतः यह सिद्ध है कि रामायण की रचना महाभारत के बाद हुई।

जैकोबी के अनुसार रामायण ही महाभारत से प्राचीन है। महाभारत में पश्चिमी लोगों ने भाग लिया था जबकि रामायण

क्रमशः

संस्कृत - प्रतिभा
भाग - 1
पेपर - II

प्रश्न - (रामायण और महाभारत की तुलना) का शेष भाग -

क्रमशः

रामायण की प्रमुख घटना कौशल में घटी। वहीं वाल्मीकि मुनि का भी आश्रम था।

रामायण में आर्य सभ्यता अपने विशुद्ध रूप में चित्रित है, उसमें ऐसे जातियों का कुछ भी सम्पर्क दिखाई नहीं पड़ता जो एक भिन्न संस्कृति के अनुयायी हैं। लेकिन महाभारत में लाक्षागृह के निर्माण कर्ता पुरोचन का नाम वर्णित है।

भौगोलिक दृष्टि से भी रामायण के पश्चात महाभारत का होना निश्चित होता है। रामायणकालीन दक्षिण भारत में केवल जंगली वृक्ष-वानर जातियों का निवास-स्थान था। आर्य सभ्यता केवल विन्ध्याचल तक ही सीमित थी, परंतु महाभारत में दक्षिण भारत राजनीतिक दृष्टि से पर्याप्त विकसित थी।

रामायण की अपेक्षा महाभारत में युद्धकला का अधिक विकास हो चुका था। सीता स्वयंवर में एक धनुष का तोड़ देना ही वीरता का परिचायक था जबकि महाभारत में द्रौपदी स्वयंवर के अन्तर्गत मछली की परछाई देखकर उसका लक्ष्य भेद करना विशिष्ट युद्ध-कौशल का प्रतीक था। रामायण में लोग, ईंट, पत्थर, वृक्ष और धनुष आदि से लड़ते थे जबकि महाभारत में सेनानियों की देखरेख में विविध शास्त्रास्त्रों से सुसज्जित व्यूह-रचना आदि के द्वारा।

रामायण का समाज आदर्शवादी है पिता-पुत्र, भ्राता, माता, पत्नी, मित्र सभी एक आदर्श

Teacher's Signature

के परिचायक हैं। परंतु यह आदर्श महाभारत में नहीं है। रामायण में नैतिक भावना का स्तर ऊँचा है जबकि महाभारत में इसका अभाव है। सीताजी अग्नि इनुमान जी के पीठ पर इसलिये नहीं होती के इससे परपुरुष के स्पर्श का दोष होता लेकिन महाभारत में द्रौपदी के पाँच पति हैं। रावण द्वारा हरण करने पर सीता की अग्नि परीक्षा ली जाती है जबकि द्रौपदी काम्यक वन में जयद्रथ द्वारा हरण कर लिये जाने पर उसकी कोई अग्निपरीक्षा नहीं ली जाती।

इन विषमताओं के बावजूद इन दोनों महाकाव्यों में कई समानताएँ भी हैं। दोनों में कौशल, विदेह का वर्णन एक जैसे हैं। दोनों में सीता और द्रौपदी की जन्मकथा में अलौकिकता विद्यमान है। दोनों का विवाह स्वयंवर रीति से होता है। दोनों ही जगह धनुष का वर्णन है। तथा दोनों ही काव्यों में नायिका हरण होता है। दोनों ही महाकाव्यों में शारीरिक शक्ति ही नायक का सर्वोच्च गुण माना जाता है। इस साम्य और वैषम्य के अनुसार ऐसा जान पड़ता है रामायण महाभारत से पहले की रचना है।

Kumari Lata Kumari

Lecturer Signature